Dainik Bhaskar (Indore), 08th June 2023, Page – 04

शहर के कई इंस्टिट्यूट के फॉरेन यूनिवर्सिटीज के साथ एमओयू होने से स्टूडेंट्स को मिल रहा ग्लोबल नॉलेज

120 विदेशी यूनिवर्सिटी से आईआईटी-आईआईएम का कनेक्शन

सिटी रिपोर्टर. इंदौर

एजुकेशन हब इंदौर देश ही नहीं विदेशों के एजुकेशन सिस्टम से भी कनेक्ट होकर नॉलेज को अपडेट कर रहा है। शहर के कई हायर एजुकेशन इंस्टिट्यूट स्टूडेंट्स को दुनियाभर में हो रहे बदलाव से परिचित कराने के लिए फॉरेन यूनिवर्सिटीज से समझौता कर रहे हैं। फॉरेन इंस्टीट्यूट से एमओयू होने के कारण स्टूडेंट्स को बाहर जाकर अपनी पसंद के स्ट्रीम में आगे एजुकेशन लेने का मौका तो मिल ही रहा है। साथ ही रिसर्च और एक-दूसरे देश की संस्कृति को भी जानने का मौका मिल रहा है। सिटी भास्कर ने शहर के कुछ ऐसे ही हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट से जानने की कोशिश की कि वे दुनिया के किन इंस्टिट्यूट के साथ कनेक्ट है और इससे स्टूडेंट्स को किस तरह का फायदा हो रहा है।

IIT में 3 साल में सबसे ज्यादा एमओयू

आईआईटी इंदौर ने 75 इंटरनेशनल और 55 नेशनल एमओयू किए हैं। इसमें नेशनल इलान यूनिवर्सिटी ताईवान, क्वांसी गाकुइन यूनिवर्सिटी जापान, स्वीडन यूनिवर्सिटी जैसे संस्थान शामिल है। पीआरओ सुनील कुमार ने कहा कि तीन से चार साल में सबसे ज्यादा एमओयू हुए हैं। इससे नॉलेज, रिसर्च और ट्रेनिंग में काफी मदद मिलती है। कई मामलों में इंदौर प्रशासन के साथ भी हम मिलकर काम करते हैं। इससे शहर के विकास सही दिशा में हो इसके लिए भी सहयोग कर रहे हैं। संस्थान में कई विषयों पर विस्तार से रिसर्च काम चलते हैं।

यहां के स्टूडेंट्स को पढ़ाने विदेशी यूनिवर्सिटीज़ से भी आ रहे प्रोफेसर्स

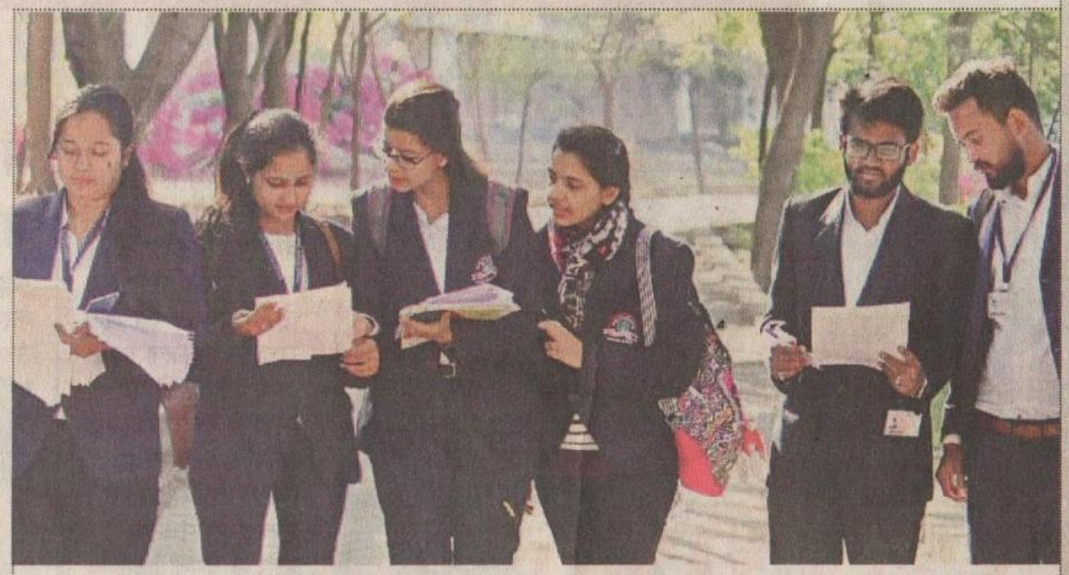

आईआईएम इंदौर ने दुनिया के 18 देशों के 45 टॉप यूनिवर्सिटी के साथ समझौता किया है। इसमें ज्यादातर समझौते स्टूडेंट्स-फैकल्टी एक्सचेंज, रिसर्च और एक-दूसरी के एजुकेशन सिस्टम से अपडेट होते रहने और संस्कृति को जानने के लिए हुए हैं। आईआईएम ने दुनिया की टॉप यूनिवर्सिटी टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी डबलिन, ग्लासगो यूनिवर्सिटी, एशिया यूनिवर्सिटी ताईवान, रेन स्कूल ऑफ बिजनेस फ्रांस जैसे कई फॉरेन इंस्टिट्यूट के साथ ही देश के भी कई इंस्टिट्यूट से समझौता किया है। संस्थान के डायरेक्टर प्रो. हिमांशु राय का कहना है कि स्टूडेंट्स और फैकल्टीज के नॉलेज को अपडेट करने के लिए ऐसे समझौते जरूरी हैं और हमने इस पर ज्यादा फोकस किया है। हमने कई ऐसे समझौते करके रखे हैं जिसमें बाहर की यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर आईआईएम इंदौर में आकर स्टूडेंट्स को पढ़ाते हैं और यहां के प्रोफेसर भी बाहर जाते हैं। इसी तरह से स्टूडेंट्स के बीच भी हो रहा है।

फॉरेन यूनिवर्सिटीज़ दे रही हैं स्कॉलरशिप

श्री वैष्णव विद्यापीठ विवि के कुलपति डॉ. उपिंदर धर का कहना है कि हमने इंटरनेशनल लेवल पर दो यूनिवर्सिटी से समझौता किया हुआ है। इसके तहत स्टूडेंट्स व फैकल्टी एक्सचेंज, रिसर्च और नॉलेज का आदान-प्रदान किया जा रहा है। अगर हमारे स्टूडेंट्स बीटेक की पढ़ाई के बीच में फॉरेन की यूनिवर्सिटी से पढ़ना चाहते हैं तो वे ऐसा कर सकते हैं। एमओयू होने से यहां के स्टूडेंट्स को किसी एंट्रेंस टेस्ट से भी नहीं गुजरना पड़ेगा। यूनिवर्सिटी की ओर से स्टूडेंट्स को स्कॉलरशिप भी ऑफर की जाती है। यूनिवर्सिटी के इंजीनियरिंग एंड आर्किटेक्ट के डीन फैकल्टी डॉ. नमित गुप्ता का कहना है कि हमारा साउथ कोरिया की हनयांग यूनिवर्सिटी और क्लाउड स्टेट यूनिवर्सिटी यूएसए यूनिवर्सिटी सहित आईबीएम, रेडहेट, टीसीएस, माइक्रोसॉफ्ट और एप्पल से समझौता है। ऐसा करने से इंजीनियरिंग करने के दौरान ही स्टूडेंट्स का प्रेक्टिकल नॉलेज बेहतर होता है।

200 स्टूडेंट्स फॉरेन से डिग्री ले चुके हैं

एमओयू से स्टूडेंट्स को ग्लोबल लेवल का एजुकेशन देने में मेडिकेप्स यूनिवर्सिटी भी काम कर रही है। एशिया टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी से जुड़े मलेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड, फिलिपींस और इंडोनेशिया से संस्थान जुड़ा है। साउथ कोरिया, जर्मनी, चीन, यूके, यूएस की यूनिवर्सिटी से भी समझौते के तहत स्टूडेंट्स पढ़ने जाते हैं। यूनिवर्सिटी के डॉ. रवींद्र पाठक का कहना है कि कुछ सालों में करीब 200 स्टूडेंट्स विभिन्न देशों की यूनिवर्सिटी से डिग्री ले चुके हैं।